मेट्रो 3 के MD देओल का ट्रांसफर

प्रोजेक्ट को 1 और झटका, MMRDA कमिश्नर श्रीनिवास को एक्स्ट्रा चार्ज

■ मुंबई, नवभारत न्यूज नेटवर्क. 36 किलोमीटर लम्बी शहर की पहली अंडर ग्राउंड मेट्रो लाइन-3 पर लगा ग्रहण अभी उतरा नहीं है. एक तरफ इसका कारशेड विवाद अभी तक कायम है, जिससे इसके डेडलाइन पर प्रश्नचिह्न लगा हुआ है, वहीं पर सरकार ने इस प्रोजेक्ट का निर्माण कर रही एमएमआरसीएल के एमडी रंजीत सिंह देओल को उनके पद से हटा दिया है. उनकी जिम्मेदारी राज्य सरकार ने एमएमआरडीए के आयुक्त एसवीआर श्रीनिवास को सौंप दी है. 1998 बैच के वरिष्ठ आईएएस अधिकारी देओल ने जनवरी 2020 में एमएमआरसीएल के एमडी के रूप में कार्यभार संभाला था. उस समय अश्विनी भिड़े को हटाकर उन्हें लाया गया था. भिड़े को जब हटाया गया था तो शहर के पर्यावरण प्रेमियों ने खुशी का इजहार किया था, जबकि प्रोजेक्ट के हिमायतियों ने सरकार की आलोचना की थी.

36 किलोमीटर लम्बी शहर की पहली अंडर ग्राउंड मेट्रो लाइन

10 हजार करोड़ बढ़ी लागत

33.5 किलोमीटर कोलाबा-बांद्रा-सीप्ज मेट्रो कॉरिडोर शुरू से ही चर्चा में

परियोजना में देरी

■ चर्चा है कि कारशेड निधि सहित कुछ मुद्दों पर राज्य सरकार से टकराव के चलते एमडी रणजीत सिंह देओल को उनके पद से हटा दिया गया.

■ 33.5 किलोमीटर लंबी कोलाबा-बांद्रा-सीप्ज मेट्रो कॉरिडोर शुरू से ही चर्चा में रही है.

■ जापान सरकार के सहयोग से शुरू हुई यह परियोजना फंड की कमी और कोरोना के चलते भी प्रभावित हुई, हालांकि पिछले 2 साल में 5 हजार करोड़ के काम हुए. मेट्रो-3 के 3 रेक भी रेडी हो चुके हैं.

कारशेड विवाद कायम

मुंबई की पहली अंडर ग्राउंड मेट्रो के लिए कारशेड की समस्या भी सुलझ नहीं पाई है और यह आरे में बनेगा या कांजुरमार्ग में बनेगा, यह अभी तय नहीं हो पाया है. कांजुरमार्ग कारशेड का विवाद कोर्ट में लंबित होने के कारण अब तक काम भी नहीं शुरू हो पाया है. जबकि इसके टनलिंग व सिविल वर्क का काम अंतिम चरण में पहुंच गया है. लगभग 20 प्रतिशत ट्रैक बिछने के साथ, इस वर्ष अधिकांश सिविल वर्क पूरा हो जाने का दावा भी किया गया. कारशेड की जगह फिक्स न कर पाने से इसका बुरा असर परियोजना पर पड़ रहा है.

स्टेशनों का कार्य जारी

राज्य सरकार अब कारशेड के लिए तीसरे विकल्प की तलाश में है. एमएमआरसीएल की अतिरिक्त जिम्मेदारी दिए जाने पर एसवीआर श्रीनिवास ने अधिकारियों के साथ दौरा कर मेट्रो 3 परियोजना के कार्यों का जायजा लिया. बताया गया कि 97 प्रतिशत टनलिंग और लगभग 85 प्रतिशत सिविल वर्क पूरा हो गया है. स्टेशनों के काम चल रहे हैं.

11 स्टेशनों का काम 85 प्रतिशत पूरा

1. 11 स्टेशन जिनमें कफ परेड, विधान भवन, चर्चगेट, हुतात्मा चौक, छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस, मुंबई सेंट्रल, सिद्धि विनायक, सीएसएमआई-टी2, मरोल, एमआईडीसी और सीप्ज का 85 प्रतिशत से अधिक पूरा होने को है.

2. अब तक 18 एस्केलेटर लगाए जा चुके हैं. वर्ष 2013 में शुरू इस मेट्रो को 2021 तक इसे पूरा करने का लक्ष्य था, परंतु कारशेड ही न बन पाने से आने वाले 2-3 वर्षों में संचालन शुरू हो पाना कठिन है.

3. कारशेड विवाद एवं अन्य कारणों के चलते मेट्रो 3 की परियोजना लागत 10 हजार करोड़ से ज्यादा बढ़ गई है. बताया गया कि परियोजना की लागत 23,136 करोड़ रुपये से बढ़ कर 33,406 करोड़ रुपये हो गई है. जब 2016 में निविदाएं आमंत्रित की गईं, तो लागत 2011 के अनुमान पर आधारित थी.